JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue

JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)

An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

बुंदेली रसखान मायूस सागरी की भक्ति भावना

राबिया परवीन

पीएच. डी. शोधार्थी (हिंदी विभाग)

हिंदी अध्ययन शाला एवं शोध केंद्र

महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर (म. प्र.)

मो. 6260697153 rinke1505@gmail.com

शोध निर्देशक – डॉ कुंजीलाल पटेल

सहायक प्राध्यापक हिंदी विभाग

हिंदी अध्ययन शाला एवं शोध केंद्र

महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर (म. प्र.)

सत्र 2022 -23

शोध सारांश

कवि रसखान एक ऐसे कृष्ण भक्त हैं जिन्हें हम उनके नाम ही नहीं बल्कि एक समर्पित कृष्ण भक्त युग भी कह सकते हैं संभवतः इन्हीं से प्रभावित होकर एक महान भक्ति बुंदेलखंड के सागर जिले के बंडा में अपनी साधारण वेशभूषा में, व्यक्तित्व से ही नहीं बल्कि कृतित्व से रसखान की भांति कृष्ण भक्ति परंपरा के रचनाकार सिद्धि ही नहीं प्रसिद्ध भी है जिनका नाम **मायूस सागरी "शेख अब्दुल रज्जाक जी"** है

सर्वप्रथम मैंने अपने पथ प्रदर्शक प्राध्यापक **डॉ कुंजीलाल पटेल जी** से **मायूस सागरी जी** के विषय में जाना कि एक मुस्लिम व्यक्ति **सागरी जी** जो धार्मिक सहिष्णुता का पालन करते हुए पंचवक्ता नमाजी होने के साथ–साथ कृष्ण भक्ति शाखा के रचनाकार हैं जिन्हें **"बुंदेली रसखान"** उपनाम से जाना जाता है आप कृष्ण भक्ति के पहले बुंदेली कवि हैं आपकी रचनाएं अद्वितीय हैं।

आज के इस दौर में जहां कोई हिंदू मुस्लिम समुदाय का साहित्यकार एक दूसरे के ईश्वर पर कोई चंद लाइने भी लिख दे तो बवाल मच जाता है लेकिन **मायूस सागरी जी** इन सब धार्मिक कट्टरता वाली बातों से कोई मतलब नहीं रखते हैं कृष्ण भक्ति में डूबे **मायूस आगरी जी** के विचार सभी साहित्यकारों से निम्न शब्दों से पृथक प्रतीत होते हैं।

सागरी जी के शब्दों में : –

" मैंने कभी भी हिंदी और उर्दू साहित्य को धर्म के चश्मे से नहीं देखा है "

ऐसे विचारों के धनी व्यक्ति से हमारे **मायूस सागरी जी**।

जैसे ही मुझे **मायूस सागरी** के बारे में ज्ञात हुआ मेरा मन उनकी भक्ति भावना को जानने के लिए जिज्ञासित हुआ तभी मैंने उनके भक्ति भाव से प्रभावित होकर उनके रचित ग्रंथ **ब्रजरज** के बारे में जाना। इस ग्रंथ के नाम से ही रचनाकार की भक्ति प्रबलता के बारे में पता चलता है "**ब्रजरज अर्थात ब्रज की सूक्ष्म धूल**" जो केवल एक भक्त को महसूस हो सकती है देख सकती है छू सकती है एवं अपने में समाहित सकती है।

सहृदय के हृदय में जब भक्ति नामक रस उत्पन्न होता है तो प्रेम की हर परिभाषा से ऊपर भक्तों का प्रेम अपने आराध्य के प्रति हो जाता है फिर वह जाति धर्म से परे हो जाता है भक्ति भावना से ओतप्रोत व्यक्ति साधारण व्यक्ति नहीं बल्कि एक महान आत्मा बन जाता है ऐसे ही महान भक्त और **बुंदेली रसखान मायूस सागरी जी** की भक्ति भावना जो हर पाठक के मन को अपनी ओर आकर्षित करती है

मूल शब्द : – बुंदेली रसखान, भक्ति भावना, कृष्ण भक्ति ।

प्रस्तावना : –

मायूस सागरी जी की भक्ति भावना हमें भक्ति काल की स्मृति दिलाती है जिस प्रकार से भक्ति काल में कभी हृदय में भक्ति को समाहित करके रचनाएं करते थे उसी प्रकार **मायूस सागरी जी** श्री कृष्ण की भक्ति में लीन एक महान आत्मा है

सागरी जी के प्रथम शब्द जो भक्ति से ओतप्रोत हैं : –

" ना करियो नादान नेकियों बेदीन हैं हम रहिमन रसखान खुसरो हैं जसलीन है "

सागरी जी अपने शब्दों में कहते हैं कि हमें नादान ना कहना, ना ही हम बे–दीन है, हम भक्त उन महान कवि रहिमन (अर्थात रहीम जी रसखान और अमीर खुसरो) के समान हैं

भक्ति की गहराई के पद : –

" हरि पूछे जब मोरी पीरै,
हम नदिया से वैने।
कैने राधा के रई ती प्रभु,
का सुख दय है मैंने।। "

– अर्थात सागर जी लिखने लिखते हैं कि जब हरी मेरा कष्ट पूछेंगे तो आंखें नदी की तरह वह उठेंगे जिस प्रकार नदी बिना रुके बहती रहती है और कह देना है कि राधा कह रही थी कि यह कैसा प्रेम भक्ति रूपी सुख दिया है।

सागरी जी की भक्ति में अपने मन की तुलना नींबू से करते हैं : –

" मन खौ निबुआ सो निचोरों।
तनकऊ रस ना छौरो ।। "

–अर्थात कृष्ण भक्ति में बुंदेली रसखान ऐसे मन से लिप्त हो गए हैं कि उनका मन नींबू की भांति निचोड़ चुका है जिसमें अब श्रीकृष्ण की भक्ति रस के अलावा कुछ भी नहीं बचा है

विट्ठल भाई पटेल (कवि/ फिल्म गीतकार) का कहना है कि मैं **बुंदेली रसखान सागरी जी** के खुदा का शुक्रगुजार हूं कि सागरी जी के मन में ऐसे विचार आए कि राधा कृष्ण की भक्ति हमें शुद्ध बुंदेली भाषा में मिल गई।

संदर्भ ग्रंथ : –

१. पुस्तक – **ब्रजरज**

काव्य – कृति –– **मायूस शायरी**

कॉपीराइट्स – इमरान शेख

संस्करण – १९९९ –२०००

२. **विट्ठल भाई पटेल**

(कवि फिल्मकार गीतकार)

जनशक्ति मंत्री मध्य प्रदेश शासन

३. **डॉ. कुंजीलाल जी पटेल** (मौखिक स्वरूप व्याख्यान के शब्द समाहित)

छत्रसाल यूनिवर्सिटी छतरपुर

४. **कांति कुमार जैन**

डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर (म.प्र.)